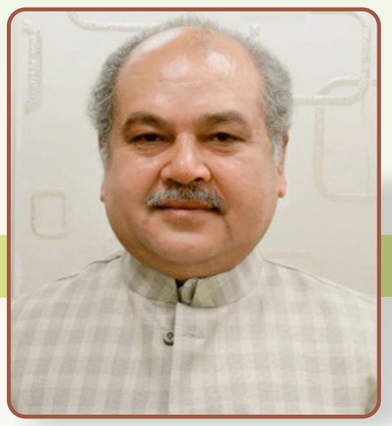

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद

हिन्दी चेतना मास 2022

संदेश

हिन्दी दिवस 2022 के शुभ अवसर पर आप सभी को बहुत–बहुत बधाई एवं शुभकामनाएँ।

हमारा देश भारत वर्ष विश्व पटल पर एक आर्थिक महाशक्ति के रूप में उभर रहा है और इसका पूरा श्रेय हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र दामोदर दास मोदी जी को जाता है। इस विकास का प्रमुख कारण है कुशल नेतृत्व व दूरदृष्टि। परम आदरणीय प्रधान सेवक श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में हमारे देश में हर क्षेत्र में विकास हो रहा है। माननीय प्रधानमंत्री द्वारा प्रारंभ की गई मुहिम, मेरा गांव मेरा गौरव, स्वच्छ भारत अभियान, डिजिटल इंडिया, कैशलेश ट्रांजेक्शन, स्किल इंडिया, आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, परम्परागत कृषि विकास योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना इत्यादि का प्रभाव पूरे देश पर पड़ रहा है। अब लगता है कि वह दिन दूर नहीं जब पुनः भारत को सोने की चिड़िया कहा जाने लगेगा।

चूंकि हमारा देश कृषि प्रधान देश है इसलिए इस विकास की रेलगाड़ी में कृषि क्षेत्र का महत्वपूर्ण योगदान है। भारत की स्वतंत्रता के उपरांत कृषि क्षेत्र में हरित क्रांति, दुग्ध क्षेत्र में श्वेत क्रांति, मत्स्य पालन क्षेत्र में नीली क्रांति, तिलहन क्षेत्र में पीली क्रांति इत्यादि के माध्यम से देश आत्मनिर्भर बना है तथा इसके साथ ही साथ कृषि फसलों के उत्पादन के मामले में वैश्विक परिदृश्य में अग्रणी भी है। अब समय आ गया है कि कृषि अनुसंधानों को प्रयोगशाला से निकालकर किसानों तक पहुंचाया जाए एवं किसानों के पास अनुभव का जो परम्परागत ज्ञान है उसे विज्ञान की कसौटी पर परख कर उन्नत बनाया जाए। किसानों को अधिक लाभ हो, इसके लिए नई प्रौद्योगिकियों की जानकारी उन्हीं की भाषा में दी जाए और वह भाषा हिन्दी ही हो सकती है क्योंकि हिन्दी पूरे भारतवर्ष में सबसे अधिक बोली व समझी जाने वाली भाषा है।

राष्ट्रगान की तरह राष्ट्रभाषा भी राष्ट्र का गौरव है। संसार के सभी स्वाधीन देश अपना आन्तरिक कामकाज अपने देश की भाषा में करते हैं। भारत के स्वतंत्रता सेनानियों की यह आकांक्षा रही थी कि जब देश को स्वतंत्रता प्राप्त हो तब भारत के सभी कामकाज भारतीय भाषाओं में हो तथा उस दौरान पूरे भारत को एक सूत्र में बांधने वाली भाषा हिन्दी ही थी इसलिए 14 सितम्बर, 1949 को संविधान सभा द्वारा हिन्दी को राजभाषा के रूप में स्वीकृति प्रदान की गई। गांधी जी ने इसे जनमानस की भाषा कहा था तो इसी हिन्दी की खड़ी बोली को अमीर खुसरो ने अपनी भावनाओं को प्रस्तुत करने का माध्यम भी बनाया। जब अंग्रेजों का शासन समाप्त हुआ और स्वतंत्र भारत का संविधान बना तो उसमें व्यवस्था की गई कि विभिन्न राज्यों का कामकाज उनकी क्षेत्रीय भाषाओं में होगा तथा केन्द्रीय सरकार की राजभाषा एवं अन्तर्राज्यीय पत्राचार और केन्द्र तथा राज्यों के बीच होने वाले पत्राचार की भाषा हिन्दी होगी।

हिंदी हमारी भाषा है, हमारे देश की भावना है, हमारी राष्ट्रभाषा है, हमारी राजभाषा है और हमारा अस्तित्व अपनी भाषा से ही बनता है। हिन्दी हमारी राजभाषा के अलावा भारतवर्ष की संस्कृति एवं परम्परा का मूल आधार है। विविधता से भरे इस देश को हिन्दी एक सूत्र में बांधने का कार्य करती है। मैं समझता हूँ कि हिन्दी केवल इसलिए महान नहीं है कि इसमें कुछ लोग कविता, लेख या अनुवाद कर लेते हैं बल्कि यह इसलिए महान है कि वह हृदय से हृदय को जोड़ती है/मिलाती है, अलगाती नहीं है।

मैं परिषद व अधीनस्थ संस्थानों में इस पावन अवसर पर आयोजित किए जाने वाले सभी कार्यक्रमों के सफल आयोजन की कामना करता हूँ।

जय हिन्द, जय हिन्दी

(नरेन्द्र सिंह तोमर)
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री, भारत सरकार